Regarding establishment of Special Economic Zone in Bhadohi Parliamentary Constituency

डॉ. विनोद कुमार बिंद (भदोही) : सभापति महोदय, धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया । मैं भदोही लोक सभा से आता हूं, जो कालीन की नगरी से जानी जाती है और उसे पूर्वांचल का मेनचेस्टर भी कहते हैं । वहां पर करीब 22 लाख ग्रामीणों को रोजगार मिलता है, जो एशिया के सबसे बड़े केन्द्र में आता है । वहां से हाथ से बनी हुई कालीन दुनिया के हर कौने में जाती है । मैं इस देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी को धन्यवाद देता हूं कि इस सदन में भी भदोही की कालीन लगी हुई है ।

माननीय सभापति महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि वहां के उद्यमियों ने वर्ष 2002 में केन्द्र सरकार से इकोनॉमिक जोन के लिए मांग की थी, जिसकी केन्द्र सरकार ने मंजूरी दे थी । वाराणसी और भदोही की सीमा पर इसके कैम्पस के लिए मंजूरी दी गई थी, ताकि वहां के उद्योग-धंधे को बढ़ाया जाए, कालीन उद्योग को बढ़ाया जाए और वहां के उद्यमियों को एक कैम्पस से निर्यात के लिए सभी सुविधाएं मिल जाएं । वहां पर अभी भी भूमि अधिग्रहण नहीं हो पाया है और यह कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है । मैं इस सदन के माध्यम से माननीय मंत्री जी से यही पूछना चाहता हूं कि यह भूमि अधिग्रहण कब तक हो जाएगा और जो प्रक्रिया अधूरी है, वह कब तक पूरी हो जाएगी?